डी.एन. डिग्री कॉलेज में विजय सिंह पथिक के सामाजिक एवं साहित्यिक महत्व पर संगोष्ठी

उजाला हितैषी एक्सप्रेस

गुलावठी। (सैय्यद मजहर) डी. एन. डिग्री कॉलेज के हिंदी विभाग द्वारा 26 फरवरी 2026 को 'स्वतंत्रता सेनानी विजय सिंह पथिक का सामाजिक एवं साहित्यिक महत्व' विषय पर एक गरिमामय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. महेंद्र कुमार ने की। संगोष्ठी के मुख्य वक्ता एम एम एच कॉलेज गाजियाबाद के प्रख्यात प्राध्यापक प्रोफेसर राकेश कुमार राणा रहे। उन्होंने स्वतंत्रता आंदोलन में विजय सिंह पथिक के योगदान पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि पथिक जी केवल एक क्रांतिकारी सेनानी ही नहीं, बल्कि सजग साहित्यकार और प्रखर चिंतक भी थे। उन्होंने विशेष रूप से बिजोलिया किसान आंदोलन में उनकी सक्रिय भूमिका का उल्लेख किया और कहा कि उनका व्यक्तित्व सामाजिक न्याय, राष्ट्रीय चेतना एवं जनजागरण का प्रतीक था। विशिष्ट वक्ता के रूप में भटिंडा, पंजाब से पधारे डॉ. विजय विश्वास ने पथिक जी के साहित्यिक अवदान पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उनके लेखन में राष्ट्रीय स्वाभिमान, सामाजिक सुधार और मानवीय मूल्यों की सशक्त अभिव्यक्ति मिलती है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में भी पथिक जी के विचार अत्यंत प्रासंगिक हैं और युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत हैं। अध्यक्षीय उद्बोधन में प्राचार्य डॉ. महेंद्र कुमार ने कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों में इतिहास बोध, राष्ट्रीय चेतना और सामाजिक सरोकारों के प्रति संवेदनशीलता विकसित करते हैं। उन्होंने हिंदी विभाग की पहल की सराहना करते हुए स्वतंत्रता सेनानियों के जीवन और कृतित्व पर निरंतर विचार-विमर्श की आवश्यकता बताई। कार्यक्रम का संचालन हिंदी विभाग के डॉ. हरीश कसाना ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ. संदीप कुमार सिंह ने प्रस्तुत किया। इस अवसर पर रसायन शास्त्र विभाग प्रभारी डॉ. विनीता गर्ग, डॉ. विनय कुमार सिंह, शशि कपूर, श्याम प्रकाश सहित महाविद्यालय के अन्य प्राध्यापकगण एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे।

संगोष्ठी का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ। कार्यक्रम ने विद्यार्थियों में स्वतंत्रता सेनानियों के प्रति आदरभाव और राष्ट्रीय मूल्यों के प्रति जागरूकता को और सुदृढ़ किया।

अमर उजाला

Bulandshahr

27-02-2026

पथिक एक सजग साहित्यकार : राकेश राणा

गुलावठी। नगर के डीएन डिग्री कॉलेज में स्वतंत्रता सेनानी विजय सिंह पथिक का सामाजिक एवं साहित्यिक महत्व विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कॉलेज के प्राचार्य डॉ. महेंद्र कुमार ने की। संगोष्ठी के मुख्य वक्ता एमएमएच कॉलेज गाजियाबाद के प्राध्यापक प्रो. राकेश कुमार राणा रहे। उन्होंने विजय सिंह पथिक के योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला। कहा कि पथिक केवल एक क्रांतिकारी सेनानी ही नहीं थे, बल्कि एक सजग साहित्यकार और प्रखर चिंतक भी थे। पंजाब से पधारे डॉ. विजय विश्वास ने पथिक के साहित्यिक अवदान की चर्चा करते हुए कहा कि उनके लेखन में राष्ट्रीय स्वाभिमान, सामाजिक सुधार और मानवीय मूल्यों की सशक्त अभिव्यक्ति मिलती है। इस अवसर पर विनीता गर्ग, डॉ. विनय कुमार सिंह और शशि कपूर सहित अन्य लोग मौजूद रहे। संवाद